The ACHIEVERS IAS ACADEMY

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

PATNA

Daily NEWS CHRONICLE

IDEAL FOR

For UPSC/BPSC & For other Exams

Hindi

NEWS CREDIT

PIB/ PTI/ News On Air/ The Hindu/ IANS/ Business Standard/ Times Of India/ Deccan Herald/ Hindustan Times/ BBC News/ Aljazeera/ Mirror.Uk/ Times Now/ Economic Times/ Financial Express/ Indian Express...

NEWS COVERED

Business News, financial news, economy news, company news, politics news, India news, breaking news, Indian economy, International News, Sports News, and many more topics...

Wednesday, August 26, 2026

+91 8434931877 www.achieversiaspatna.co.in achieversiaspatna@gmail.com

दिन की प्रमुख घटनाएं

- अमरीका ने सीरिया को आतंकवाद की सूची से हटाया, प्रतिबंधों में ढील दी और 47 साल बाद पुनर्निर्माण का समर्थन किया।
- अमरीका ने ईरान के खिलाफ ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट शुरू किया, जिसमें प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों और वित्तीय नेटवर्कों को निशाना बनाया गया।
- फ्रांस और सऊदी अरब ने पेरिस के पास 7 अरब डॉलर के थीम पार्क समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिससे पर्यटन और आर्थिक विविधीकरण को बढ़ावा मिलेगा।
- सरकार ने चार साल के कार्यकाल के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के केंद्रीय बोर्ड में तीन अंशकालिक निदेशकों की नियुक्ति की।
- दक्षिण कोरिया और फ्रांस के लिए एक से-यंग और एलेक्स लैनियर ने बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप एकल खिताब जीता।
- ईस्ट बंगाल ने मोहन बागान को हराकर 22 साल के खिताबी इंतजार के बाद डूरंड कप 2026 जीता।
- रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने स्वदेशी रक्षा विनिर्माण और तकनीकी आत्मनिर्भरता को मजबूत करने के लिए दो प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौतों पर हस्ताक्षर किए।
- आईसीएआर ने एनबीएसएस और एलयूपी मृदा डेटाबेस और सटीक कृषि के लिए पहले मिट्टी बनावट मानचित्र पर प्रकाश डाला
- सोफी एडेनॉट नासा के अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन के साथ स्पेसवॉक करने वाली पहली फ्रांसीसी महिला बन गई हैं।
- काज़िया लिज़ मेजो ने मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 का ताज पहनाया, जो केरल की पहली विजेता बनीं।

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

अमेरिका ने सीरिया को आतंकवाद प्रायोजित करने वाले देशों की सूची से हटाया

- संयुक्त राज्य अमेरिका ने आधिकारिक तौर पर सीरिया को आतंकवाद के राज्य प्रायोजकों (एसएसटी) की सूची से हटा दिया है, जिससे सीरिया को 1979 से सामना करना पड़ रहा था।
- यह निर्णय असद के बाद सीरिया के प्रति अमेरिकी नीति में एक बड़े बदलाव का प्रतीक है और इससे आर्थिक गतिविधियों, निवेश और पुनर्निर्माण में सुविधा होने की उम्मीद है।

मुख्य विचार:

- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा जुलाई 2026 में सीरिया के पदनाम को रद्द करने के अपने इरादे के बारे में कांग्रेस को सूचित करने के बाद 45 दिनों की कांग्रेस की समीक्षा अवधि के बाद यह निर्णय लिया गया।
- अमेरिका ने हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) के आतंकवादी पदनाम को भी रद्द कर दिया, जिसे पहले अल-नुसरा फ्रंट के नाम से जाना जाता था।
- यह कदम सीरिया की एसएसटी स्थिति से जुड़े प्रतिबंधों को हटा देता है, जिसमें कुछ वित्तीय लेनदेन, विदेशी सहायता और रक्षा संबंधी प्रतिबंध शामिल हैं, जो संभावित रूप से अंतरराष्ट्रीय वित्त और निवेश तक सीरिया की पहुंच में सुधार करते हैं।

पृष्ठभूमि:

- सीरिया को 1979 में आतंकवाद का प्रायोजक देश नामित किया गया था। पदनाम ने देश पर महत्वपूर्ण आर्थिक और राजनयिक प्रतिबंध लगाए।
- यह विकास दिसंबर 2024 में बशर अल-असद की सरकार के पतन और सीरिया के संक्रमणकालीन नेता के रूप में अहमद अल-शारा के उभरने के बाद हुआ है। अमेरिका ने बाद में नई सीरियाई सरकार के साथ अधिक जुड़ाव की मांग की है।

महत्त्व:

- आर्थिक सुधार: प्रमुख प्रतिबंधों को हटाने से विदेशी निवेश को प्रोत्साहित किया जा सकता है और युद्ध के बाद सीरिया के पुनर्निर्माण का समर्थन किया जा सकता है।
- राजनयिक बदलाव: अमेरिका-सीरिया संबंधों में अलगाव से जुड़ाव की ओर संक्रमण का संकेत देता है।
- क्षेत्रीय स्थिरता: अधिक आर्थिक एकीकरण सीरिया के स्थिरीकरण में योगदान दे सकता है।
- अंतर्राष्ट्रीय वित्त: डीलिस्टिंग से सीरिया से जुड़े बैंकिंग और वित्तीय लेनदेन की सुविधा मिल सकती है।

आतंकवाद के प्रायोजक राज्य – तथ्य:

- आतंकवाद के अमेरिकी राज्य प्रायोजकों का पदनाम एक अमेरिकी नीति तंत्र है जो उन सरकारों को लक्षित करता है जो अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के लिए बार-बार समर्थन प्रदान करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। सीरिया की सूची से हटने के बाद ईरान, क्यूबा और उत्तर कोरिया अमेरिका की सूची में बने हुए हैं।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- हटाए गए देश: सीरिया
- द्वारा हटाया गया: संयुक्त राज्य अमेरिका
- सूची: आतंकवाद के प्रायोजक राज्य
- सीरिया तब से सूचीबद्ध: 1979
- हटाने की तिथि: 24 अगस्त 2026
- प्रमुख नेता: अहमद अल-शारा
- पूर्व नेता: बशर अल-असद
- अन्य समूह असूचीबद्ध: एचटीएस
- रणनीतिक लिंक: प्रतिबंधों से राहत, पुनर्निर्माण, निवेश और अमेरिका-सीरिया संबंध

अमेरिका ने ईरान के खिलाफ "ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट" शुरू किया

- संयुक्त राज्य अमेरिका ने ईरान के खिलाफ एक बड़े नए आर्थिक दबाव अभियान की घोषणा की है, जिसका नाम "ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट" है, जिसका उद्देश्य ईरान के राजस्व स्रोतों को काटना और देश को वैश्विक वित्तीय प्रणाली से अलग करना है।
- राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने इस अभियान की घोषणा की।

मुख्य विचार:

- अमेरिका ने ईरान से जुड़े करीब 60 व्यक्तियों, संस्थाओं और जहाजों को निशाना बनाते हुए नए प्रतिबंध लगाए हैं।

ये उपाय प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिनमें शामिल हैं:

- तेल और ऊर्जा राजस्व
- नौवहन
- वैमानिकी
- टेक्नोलॉजी
- सोना
- डिजिटल संपत्ति और वित्तीय नेटवर्क
- अमेरिका ने ईरान के साथ आर्थिक संबंध जारी रखने वाले देशों और व्यवसायों को भी चेतावनी दी है कि उन्हें द्वितीयक प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है।
- इसका उद्देश्य ईरान की विदेशी मुद्रा उत्पन्न करने, अपनी सरकार और सैन्य गतिविधियों को वित्तपोषित करने और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय नेटवर्क तक पहुंचने की क्षमता को प्रतिबंधित करना है।

पृष्ठभूमि:

- नवीनतम कदम ईरान के प्रति ट्रम्प प्रशासन की व्यापक "अधिकतम दबाव" नीति पर आधारित है। अमेरिका पहले ईरान के तेल व्यापार, वित्तीय संस्थानों, शिपिंग नेटवर्क और संस्थाओं को निशाना बना चुका है जिन पर उसकी सैन्य और क्षेत्रीय गतिविधियों का समर्थन करने का आरोप है।
- यह घटनाक्रम अमेरिका-ईरान संघर्ष और फारस की खाड़ी में तनाव के बीच हुआ है, जिसमें दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल-पारगमन मार्गों में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास की चिंताएं भी शामिल हैं।

वैश्विक आर्थिक प्रभाव:

- ईरान एक प्रमुख तेल उत्पादक है, जबकि होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग है। किसी भी व्यवधान से कच्चे तेल की कीमतों, मुद्रास्फीति, शिपिंग लागत और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित हो सकती हैं।
- भारत के लिए, इस क्षेत्र में लंबे समय तक व्यवधान का कच्चे तेल के आयात, ऊर्जा सुरक्षा, मुद्रास्फीति और चालू खाते पर प्रभाव पड़ सकता है।

महत्त्व:

- आर्थिक युद्ध: एक भू-राजनीतिक उपकरण के रूप में वित्तीय प्रतिबंधों के उपयोग को प्रदर्शित करता है।
- ऊर्जा सुरक्षा: ईरान के तेल निर्यात और होर्मुज जलडमरूमध्य का वैश्विक महत्व है।
- वित्तीय प्रणाली: अमेरिकी डॉलर-आधारित अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली के प्रभाव पर प्रकाश डालती है।
- भू-राजनीतिक तनाव: अमेरिका-ईरान और व्यापक पश्चिम एशियाई तनाव को और तेज कर सकता है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- ऑपरेशन: आर्थिक बहिष्कृत
- लक्षित देश: ईरान
- द्वारा शुरू किया गया: संयुक्त राज्य अमेरिका
- अमेरिकी राष्ट्रपति: डोनाल्ड ट्रम्प
- अमेरिकी ट्रेजरी सचिव: स्कॉट बेसेंट
- दिनांक: 24 अगस्त 2026
- मुख्य लक्ष्य: तेल, शिपिंग, विमानन, प्रौद्योगिकी, सोना और डिजिटल संपत्ति
- प्रमुख रणनीतिक मार्ग: होर्मुज जलडमरूमध्य
- नीति: अधिकतम दबाव
- मुख्य उपकरण: आर्थिक प्रतिबंध और द्वितीयक प्रतिबंध

फ्रांस-सऊदी अरब ने $ 7 बिलियन थीम पार्क परियोजना सौदे पर हस्ताक्षर किए

- फ्रांस और सऊदी अरब ने पेरिस के पास 7 बिलियन डॉलर की मनोरंजन और थीम-पार्क परियोजना विकसित करने पर सहमति व्यक्त की है, जो दोनों देशों के बीच एक प्रमुख निवेश साझेदारी को चिह्नित करता है। इस परियोजना को सऊदी अरब की किदिया इन्वेस्टमेंट कंपनी द्वारा फ्रांसीसी मनोरंजन समूह कॉम्पैग्नी डेस आल्प्स के सहयोग से विकसित किए जाने की उम्मीद है।

मुख्य विचार:

- प्रस्तावित परियोजना फ्रांस की राजधानी के पास विलेज नेचर पेरिस में स्थित होगी। इसमें एक प्रमुख थीम पार्क और मनोरंजन स्थल होने की उम्मीद है, जो पेरिस क्षेत्र में पर्यटन और अवकाश बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा।

- इस समझौते की घोषणा सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की फ्रांस यात्रा के दौरान की गई थी, जिसमें फ्रांस और सऊदी अरब के बीच बढ़ते आर्थिक संबंधों पर प्रकाश डाला गया था।
- यह परियोजना सऊदी अरब की हाइड्रोकार्बन से परे अपनी अर्थव्यवस्था में विविधता लाने और पर्यटन, मनोरंजन और अन्य गैर-तेल क्षेत्रों को विकसित करने की व्या

पक रणनीति का हिस्सा है।

सऊदी अरब का विजन 2030:

- यह निवेश सऊदी विजन 2030 के अनुरूप है, जो देश का दीर्घकालिक आर्थिक परिवर्तन कार्यक्रम है।

विजन 2030 के प्रमुख उद्देश्यों में शामिल हैं:

- तेल राजस्व पर निर्भरता कम करना।
- पर्यटन और मनोरंजन का विकास करना।
- विदेशी निवेश को आकर्षित करना।
- रोजगार के अवसर पैदा करना।
- निजी क्षेत्र का विस्तार।
- विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी पर्यटन स्थलों का निर्माण।
- किदिया विजन 2030 के तहत सऊदी अरब की प्रमुख गीगा-परियोजनाओं में से एक है और इसे रियाद के पास मनोरंजन, खेल और सांस्कृतिक गंतव्य के रूप में विकसित किया जा रहा है।

फ्रांस-सऊदी आर्थिक संबंध:

- यह समझौता पर्यटन, बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी, रक्षा और निवेश सहित पारंपरिक ऊर्जा सहयोग से परे के क्षेत्रों में फ्रांस और सऊदी अरब के बीच बढ़ती आर्थिक साझेदारी को दर्शाता है।
- फ्रांस के लिए, बड़े पैमाने पर विदेशी निवेश पर्यटन विकास, रोजगार और क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधि में योगदान कर सकता है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

विशेष	विवरण
परियोजना	थीम पार्क/मनोरंजन परियोजना
अनुमानित निवेश	$ 7 बिलियन
देशों	फ्रांस और सऊदी अरब
स्थान	पेरिस, फ्रांस के पास
सऊदी पार्टनर	किदिया इन्वेस्टमेंट कंपनी
फ्रेंच पार्टनर	कॉम्पैग्नी डेस आल्प्स
सऊदी नीति	विजन 2030
प्रमुख क्षेत्र	पर्यटन और मनोरंजन
रणनीतिक उद्देश्य	आर्थिक विविधीकरण

सरकार ने आरबीआई के केंद्रीय बोर्ड में तीन अंशकालिक निदेशकों की नियुक्ति की

- केंद्र सरकार ने एनी जॉर्ज मैथ्यू, जन्मेजय कुमार सिन्हा और सैयद अकबरुद्दीन को चार साल के कार्यकाल के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के केंद्रीय बोर्ड में अंशकालिक, गैर-आधिकारिक निदेशक के रूप में नियुक्त किया है।
- मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) की मंजूरी के बाद सरकार ने ये नियुक्तियां की हैं।

प्रमुख नियुक्तियां:

एनी जॉर्ज मैथ्यू:

- वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग में एक पूर्व विशेष सचिव, वह 16 वें वित्त आयोग से भी जुड़ी हुई हैं। उनके अनुभव में सार्वजनिक वित्त, सरकारी व्यय, लेखा परीक्षा और वित्तीय प्रबंधन शामिल हैं।

जन्मेजय कुमार सिन्हा:

- एक अर्थशास्त्री और प्रबंधन सलाहकार, वह बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) इंडिया के अध्यक्ष हैं और उन्होंने कई नियामक और सलाहकार भूमिकाओं में कार्य किया है।

सैयद अकबरुद्दीन:

- एक पूर्व राजनयिक और संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, उन्होंने विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के रूप में भी काम किया है। वह वर्तमान में कौटिल्य स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी, हैदराबाद के डीन हैं।

RBI केंद्रीय बोर्ड:

- केंद्रीय निदेशक मंडल आरबीआई का शीर्ष शासी निकाय है। इसका गठन भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 के तहत किया गया है और यह केंद्रीय बैंक को समग्र दिशा और निरीक्षण प्रदान करने के लिए जिम्मेदार है।
- हाल ही में हुई नियुक्तियों से आरबीआई के बोर्ड में सार्वजनिक वित्त, अर्थशास्त्र, कॉर्पोरेट रणनीति और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में विशेषज्ञता हासिल हुई है।
- सरकार ने हाल ही में आनंद महिंद्रा को फिर से नियुक्त किया है और इसरो के पूर्व अध्यक्ष एस सोमनाथ को अंशकालिक, गैर-आधिकारिक निदेशक के रूप में नियुक्त किया है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- संस्थान: भारतीय रिज़र्व बैंक
- अधिनियम: RBI अधिनियम, 1934
- नए निर्देशक: एनी जॉर्ज मैथ्यू, जन्मेजय कुमार सिन्हा, सैयद अकबरुद्दीन
- श्रेणी: अंशकालिक, गैर-आधिकारिक निदेशक
- कार्यकाल: 4 वर्ष
- से प्रभावी: 24 अगस्त 2026
- नियुक्ति प्राधिकारी: केंद्र सरकार
- अनुमोदन: कैबिनेट की नियुक्ति समिति
- RBI मुख्यालय: मुंबई
- RBI गवर्नर: संजय मल्होत्रा

BWF विश्व चैंपियनशिप 2026: एक से-यंग और एलेक्स लैनियर ने जीता एकल खिताब

- 2026 बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप का समापन नई दिल्ली में हुआ, जिसमें दक्षिण कोरिया के एन से-यंग और फ्रांस के एलेक्स लैनियर ने क्रमशः महिला और पुरुष एकल खिताब जीते। यह टूर्नामेंट इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया गया था।

पुरुष एकल:

- एलेक्स लैनियर ने जापान के कोडाई नारोका को 21-11, 21-11 से हराकर बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप पुरुष एकल खिताब जीतने वाले पहले फ्रांसीसी बन गए। 21 वर्षीय की जीत ने फ्रांसीसी बैडमिंटन के लिए एक ऐतिहासिक सफलता को चिह्नित किया।

महिला एकल:

- विश्व नंबर 1 दक्षिण कोरिया की एन से-यंग ने जापान की अकाने यामागुची को 21-17, 21-14 से हराकर अपना दूसरा विश्व चैंपियनशिप खिताब जीता। वह ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेलों और एशियाई चैंपियनशिप में प्रमुख महिला एकल खिताब की धारक भी बनीं।

अन्य चैंपियन:

कोटि	खिलाड़ी	भूक्षेत्र
पुरुष युगल	लियांग वेइकेंग और वांग चांग	चीन
महिला युगल	बेक हा-ना और ली सू-ही	दक्षिण कोरिया
मिश्रित युगल	थॉम गिकेल और डेल्फिन डेल्लू	फ्रांस

- दक्षिण कोरिया ने महिलाओं की स्पर्धाओं में क्लीन स्वीप हासिल किया, जबकि फ्रांस ने पुरुष एकल और मिश्रित युगल दोनों खिताब जीतकर इतिहास रच दिया।

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

- शासी निकाय: बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ)
- संस्करण: 2026 बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप
- मेजबान शहर: नई दिल्ली, भारत
- स्थान: इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम
- तिथियाँ: 17-23 अगस्त 2026
- पुरुष एकल विजेता: एलेक्स लैनियर, फ्रांस
- महिला एकल विजेता: एन से-यंग, दक्षिण कोरिया
- ऐतिहासिक उपलब्धि: पुरुष एकल विश्व खिताब जीतने वाले पहले फ्रांसीसी खिलाड़ी
- फ्रांस: पहली बार विश्व चैंपियनशिप मिश्रित युगल स्वर्ण
- दक्षिण कोरिया: दोनों महिलाओं की स्पर्धाएं जीतीं

डूरंड कप 2026: ईस्ट बंगाल ने 22 साल का खिताब इंतजार खत्म किया

- ईस्ट बंगाल एफसी ने विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन (साल्ट लेक स्टेडियम), कोलकाता में 135वें इंडियनऑयल डूरंड कप 2026 के फाइनल में कट्टर प्रतिद्वंद्वी मोहन बागान सुपर जायंट को हराया। इस जीत से ईस्ट बंगाल का प्रतिष्ठित ट्रॉफी के लिए 22 साल का इंतजार खत्म हो गया।

मुख्य विचार:

- एडमंड लालरिंडिका फाइनल के स्टार थे, जिन्होंने पहले हाफ में हैट्रिक बनाई। ईस्ट बंगाल की ओर से बिपिन सिंह ने दूसरा गोल किया, जबकि मोहन बागान के लिए एकमात्र गोल मनवीर सिंह ने किया।
- इस जीत के साथ, ईस्ट बंगाल ने टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे सफल टीमों के रूप में मोहन बागान के 17 खिताबों के रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए अपना 17वां डूरंड कप खिताब जीता। ईस्ट बंगाल ने आखिरी बार 2004 में प्रतियोगिता जीती थी।
- इस जीत ने ईस्ट बंगाल को 2023 डूरंड कप फाइनल में मोहन बागान से 0-1 की हार का बदला भी दिलाया।

डूरंड कप के बारे में:

- डूरंड कप भारत के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंटों में से एक है और इसे व्यापक रूप से एशिया का सबसे पुराना फुटबॉल टूर्नामेंट माना जाता है। यह प्रतियोगिता पहली बार 1888 में शिमला में आयोजित की गई थी।
- यह मूल रूप से ब्रिटिश भारतीय सेना के लिए आयोजित किया गया था और इसका नाम ब्रिटिश भारत के तत्कालीन विदेश सचिव सर मोर्टिमर डूरंड के नाम पर रखा गया था।
- टूर्नामेंट का आयोजन डूरंड फुटबॉल टूर्नामेंट सोसाइटी द्वारा किया जाता है, जिसमें भारतीय सशस्त्र बलों और प्रमुख फुटबॉल क्लबों की भागीदारी होती है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- खेल: फुटबॉल
- टूर्नामेंट: डूरंड कप
- 2026 विजेता: ईस्ट बंगाल एफसी
- उपविजेता: मोहन बागान सुपर जायंट
- संस्करण: 135 वां
- स्थान: कोलकाता
- ईस्ट बंगाल टाइटल: 17
- स्टार कलाकार: एडमंड लालरिंडिका
- ऐतिहासिक उपलब्धि: 22 साल का इंतजार खत्म हुआ
- ऐतिहासिक महत्व: एशिया का सबसे पुराना फुटबॉल टूर्नामेंट

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने स्वदेशी रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए दो प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौतों पर हस्ताक्षर किए

- रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने स्वदेशी रक्षा विनिर्माण को मजबूत करने के लिए अपने नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (NSTL), विशाखापत्तनम के माध्यम से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (LAToT) के लिए दो लाइसेंसिंग समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौतों पर 21 अगस्त 2026 को हस्ताक्षर किए गए थे।

कवर की गई प्रौद्योगिकियां:

सबमरीन फायर डिकॉय (SFD):

- इस तकनीक को दुश्मन की पनडुब्बी रोधी युद्ध प्रणालियों से खतरों का मुकाबला करने में मदद करके पनडुब्बियों की उत्तरजीविता बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह पानी के नीचे युद्ध क्षमताओं को मजबूत करने के भारत के प्रयासों का हिस्सा है।

LM2500 गैस टरबाइन प्रौद्योगिकी:

- दूसरा समझौता भारत में औद्योगिक उपयोग के लिए LM2500 गैस टरबाइन के निर्माण, स्थापना और कमीशनिंग से संबंधित है। यह उन्नत गैस-टरबाइन प्रौद्योगिकी में घरेलू विशेषज्ञता विकसित करने और विदेशी प्रौद्योगिकी पर निर्भरता कम करने के लिए महत्वपूर्ण है।

NSTL के बारे में:

- नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल) विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश में स्थित एक डीआरडीओ प्रयोगशाला है। यह मुख्य रूप से पानी के नीचे युद्ध, नौसेना प्रणालियों और समुद्री इंजीनियरिंग से संबंधित प्रौद्योगिकियों पर केंद्रित है।

LAToT क्या है?

- प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए लाइसेंसिंग समझौता (एलएटीओटी) एक ऐसा तंत्र है जिसके माध्यम से डीआरडीओ उत्पादन और व्यावसायीकरण के लिए स्वदेशी रूप से विकसित प्रौद्योगिकियों को भारतीय उद्योगों को हस्तांतरित करता है।
- यह रक्षा अनुसंधान और औद्योगिक पैमाने पर विनिर्माण के बीच की खाई को पाटने में मदद करता है।
- डीआरडीओ और स्वदेशी रक्षा विनिर्माण:
- डीआरडीओ का विकास-सह-उत्पादन भागीदार (डीसीपीपी) मॉडल डीआरडीओ और भारतीय उद्योग के बीच सहयोग की सुविधा प्रदान करता है। मार्च 2026 तक, 2,180 प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए थे और भारतीय उद्योग द्वारा उपयोग के लिए 2,780 से अधिक आईपीआर खोले गए थे।
- भारत का रक्षा उत्पादन 2025-26 में रिकॉर्ड ₹1.78 लाख करोड़ तक पहुंच गया, जबकि रक्षा निर्यात ₹38,424 करोड़ तक पहुंच गया, जो देश के बढ़ते स्वदेशी रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को दर्शाता है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- संगठन: DRDO
- प्रयोगशाला: एनएसटीएल
- स्थान: विशाखापत्तनम
- समझौते: दो LAToTs
- प्रमुख प्रौद्योगिकियां: सबमरीन फायर डिकॉय और एलएम 2500 गैस टर्बाइन
- उद्देश्य: स्वदेशी रक्षा विनिर्माण
- पॉलिसी लिंक: आत्मनिर्भर भारत
- मुख्य अवधारणा: प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और रक्षा स्वदेशीकरण

फसल सुधार के लिए एनबीएसएस और एलयूपी मृदा डेटाबेस महत्वपूर्ण है

- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने फसल सुधार, कृषि विकास और निर्णय-समर्थन प्रणालियों के लिए राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण और भूमि उपयोग योजना ब्यूरो (एनबीएसएस और एलयूपी) द्वारा विकसित मृदा डेटाबेस और सूचना प्रणाली के महत्व पर प्रकाश डाला है। आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. एम. एल. जाट ने महाराष्ट्र के नागपुर में एनबीएसएस और एलयूपी के 50वें स्थापना दिवस पर यह टिप्पणी की।

मुख्य बिंदु

- एनबीएसएस और एलयूपी ने भारत में मृदा संसाधन मानचित्रण, मृदा सूचना उत्पादन और भूमि-उपयोग योजना में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।
- ब्यूरो ने हाल ही में रिमोट सेंसिंग और उपग्रह डेटा का उपयोग करके भारत का पहला मिट्टी बनावट मानचित्र विकसित किया है।
- नक्शा हेक्टेयर-स्तर की जानकारी प्रदान करता है, जो किसानों और कृषि योजनाकारों को विशिष्ट क्षेत्रों के लिए उपयुक्त फसलों की पहचान करने में मदद कर सकता है।
- एनबीएसएस और एलयूपी विशेष रूप से महाराष्ट्र और दक्षिणी राज्यों के लिए उच्च-रिज़ॉल्यूशन जल-प्रतिधारण मानचित्र भी विकसित कर रहे हैं।

मिट्टी की बनावट क्या है?

- मिट्टी की बनावट मिट्टी में रेत, गाद और मिट्टी के कणों के सापेक्ष अनुपात को संदर्भित करती है। यह जल प्रतिधारण, जल निकासी, वातन और पोषक तत्वों की उपलब्धता जैसी महत्वपूर्ण विशेषताओं को प्रभावित करता है।
- इसलिए, विस्तृत मिट्टी-बनावट की जानकारी फसल चयन, सिंचाई योजना और कुशल भूमि-उपयोग प्रबंधन का समर्थन कर सकती है।

महत्व

- फसल सुधार: मिट्टी की विशेषताएं विशेष कृषि-पारिस्थितिक परिस्थितियों के अनुकूल फसलों के चयन और विकास के लिए एक महत्वपूर्ण आधार प्रदान करती हैं।

- परिशुद्धता कृषि: उपग्रह-आधारित मिट्टी की जानकारी स्थान-विशिष्ट कृषि निर्णयों का समर्थन कर सकती है।
- संसाधन प्रबंधन: मिट्टी और पानी का डेटा दुर्लभ प्राकृतिक संसाधनों के कुशल उपयोग को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है।
- जलवायु लचीलापन: मिट्टी के गुणों की बेहतर समझ जलवायु-स्मार्ट कृषि योजना में योगदान कर सकती है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- संगठन: राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण और भूमि उपयोग योजना ब्यूरो (एनबीएसएस और एलयूपी)
- मूल संगठन: भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)
- मुख्यालय: नागपुर, महाराष्ट्र
- फाउंडेशन: 1976
- 2026: 50वां स्थापना दिवस
- नई पहल: भारत का पहला मिट्टी की बनावट का नक्शा
- प्रयुक्त तकनीक: रिमोट सेंसिंग और उपग्रह डेटा
- मानचित्र संकल्प: हेक्टेयर-स्तरीय अंतर्दृष्टि
- आगामी कार्य: उच्च-रिज़ॉल्यूशन जल-प्रतिधारण मानचित्र

स्पेसवॉक करने वाली पहली फ्रांसीसी महिला बनीं सोफी एडेनोट

- यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) की अंतरिक्ष यात्री सोफी एडेनोट ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के बाहर स्पेसवॉक करने वाली पहली फ्रांसीसी महिला बनकर इतिहास रच दिया। उन्होंने नासा के अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन के साथ स्पेसवॉक किया।

मुख्य विचार:

- ह्यूस्टन में आईएसएस और नासा के मिशन कंट्रोल के बीच उच्च गति संचार और डेटा ट्रांसमिशन के लिए महत्वपूर्ण स्पेस-टू-ग्राउंड (एस/जी) एंटीना को बदलने के लिए 6 घंटे 23 मिनट का स्पेसवॉक किया गया था।
- हालांकि, अंतरिक्ष यात्री प्रतिस्थापन एंटीना की स्थापना को पूरा नहीं कर सके क्योंकि विद्युत केबल और बोल्ट को डिस्कनेक्ट और ढीला होने में अपेक्षा से अधिक समय लगा। विफल एंटीना को हटा दिया गया और सुरक्षित कर दिया गया, जबकि प्रतिस्थापन स्थापना को बाद के स्पेसवॉक के लिए स्थगित कर दिया गया।
- एंटीना का काम फिर से शुरू करने के लिए 25 अगस्त 2026 को एडेनोट और मेनन को शामिल करते हुए एक दूसरा स्पेसवॉक निर्धारित किया गया था, जिसमें कनाडार्म2 रोबोटिक आर्म से ऑपरेशन में सहायता मिलने की उम्मीद थी।

सोफी एडेनॉट के बारे में

- राष्ट्रीयता: फ्रेंच
- संगठन: यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए)
- व्यवसाय: इंजीनियर, हेलीकॉप्टर पायलट और अंतरिक्ष यात्री
- वह 2018 में फ्रांस की पहली महिला हेलीकॉप्टर परीक्षण पायलट बनीं।
- उन्हें 2022 की ईएसए अंतरिक्ष यात्री कक्षा के लिए चुना गया था।
- वह क्लाउडी हैगनेरे के बाद दूसरी फ्रांसीसी महिला अंतरिक्ष यात्री हैं।
- उनका आईएसएस मिशन स्पेसएक्स क्रू-12/एक्सपेडिशन 74-75 का हिस्सा है।

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

- स्पेसवॉक: इसे एक्स्ट्रावेहिकुलर एक्टिविटी (ईवीए) भी कहा जाता है, यह एक अंतरिक्ष यात्री को संदर्भित करता है जो स्पेससूट पहनकर अंतरिक्ष यान या अंतरिक्ष स्टेशन के बाहर काम करता है।
- आईएसएस: नासा, रोस्कोस्मोस, ईएसए, जेएक्सए और सीएसए के बीच सहयोग से संचालित एक बहुराष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रयोगशाला।
- कनाडार्म2: आईएसएस पर एक रोबोटिक मैनिपुलेटर सिस्टम जिसका उपयोग रखरखाव, उपकरण ले जाने और अंतरिक्ष यात्रियों की सहायता के लिए किया जाता है।
- ईएसए: यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी; मुख्यालय पेरिस, फ्रांस में।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- अंतरिक्ष यात्री: सोफी एडेनोट
- देश: फ्रांस
- उपलब्धि: स्पेसवॉक करने वाली पहली फ्रांसीसी महिला
- संगठन: यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी
- अंतरिक्ष स्टेशन: अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन
- सह-अंतरिक्ष यात्री: अनिल मेनन (नासा)
- दिनांक: 18 अगस्त 2026
- ईवीए अवधि: 6 घंटे 23 मिनट
- मुख्य कार्य: अंतरिक्ष-से-जमीन एंटीना का प्रतिस्थापन

- रोबोटिक आर्म: कनाडार्म2
- पिछली फ्रांसीसी महिला अंतरिक्ष यात्री: क्लाउडी हैगनेरे

काज़िया लिज़ मेजो ने मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 का ताज जीता

यह खबरों में क्यों है?

- केरल के मावेलिक्कारा की 19 वर्षीय कानून की छात्रा और मॉडल काज़िया लिज़ मेजो ने जयपुर में ग्रैंड फिनाले में मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 का खिताब जीता है। वह नवंबर 2026 में प्यूर्टो रिको में 75वीं मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

मुख्य बिंदु

- विजेता: काजिया लिज़ मेजो, केरल
- आयु: 19 वर्ष
- व्यवसाय: कानून के छात्र और मॉडल
- प्रतियोगिता: पूरे भारत से 52 फाइनलिस्ट को हराया।
- फर्स्ट रनर-अप: वैष्णवी गनेश, तमिलनाडु
- सेकंड रनर-अप: अनुश्री सातवलेकर, गुजरात, जिन्होंने मिस इंटरनेशनल इंडिया 2026 भी जीता।
- ऐतिहासिक उपलब्धि: मिस यूनिवर्स इंडिया का खिताब जीतने वाली पहली केरलवासी

परीक्षा फोकस पॉइंट

विशेष	विवरण
मिस यूनिवर्स इंडिया 2026	काज़िया लिज़ मेजो
राज्य	केरल
उम्र	19 साल
फिनाले स्थल	जयपुर, राजस्थान
अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता	75वीं मिस यूनिवर्स
अंतर्राष्ट्रीय स्थल	पर्टो रिको
अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता	नवंबर 2026
जीतने वाला पहला केरलवासी	मिस यूनिवर्स इंडिया का खिताब

लेट्स रिवाइज

- अगस्त 2026 में किस देश को अमेरिकी आतंकवाद के प्रायोजकों की सूची से हटा दिया गया था? सीरिया।
- किस देश ने "ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट" की घोषणा की? संयुक्त राज्य अमेरिका
- कौन से दो देश पेरिस के पास $ 7 बिलियन की थीम-पार्क परियोजना पर सहमत हुए? फ्रांस और सऊदी अरब।
- अगस्त 2026 में RBI केंद्रीय बोर्ड में अंशकालिक, गैर-आधिकारिक निदेशक के रूप में किसे नियुक्त किया गया है? एनी जॉर्ज मैथ्यू, जन्मेजय कुमार सिन्हा और सैयद अकबरुद्दीन
- 2026 BWF विश्व चैंपियनशिप में पुरुष एकल का खिताब किसने जीता? फ्रांस के एलेक्स लैनियर।
- किस टीम ने डूरंड कप 2026 जीता? ईस्ट बंगाल एफसी।
- किस DRDO प्रयोगशाला ने अगस्त 2026 में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (LAToT) के लिए दो लाइसेंसिंग समझौतों पर हस्ताक्षर किए? नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम।
- किस संगठन ने रिमोट सेंसिंग और उपग्रह डेटा का उपयोग करके भारत का पहला मिट्टी बनावट मानचित्र विकसित किया? एनबीएसएस और एलयूपी।
- स्पेसवॉक करने वाली पहली फ्रांसीसी महिला कौन बनीं? सोफी एडेनोट।
- मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 किसने जीता? केरल की काजिया लिज मेजो।
- मिस यूनिवर्स 2026 में भारत का प्रतिनिधित्व कौन करेगा? काज़िया लिज़ मेजो।
- 75वीं मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता कहाँ आयोजित की जाएगी? प्यूर्टो रिको, नवंबर 2026 में।

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

The ACHIEVERS IAS ACADEMY PATNA

Daily NEWS CHRONICLE

IMPORTANCE OF CURRENT AFFAIRS IN UPSC EXAMINATIONS

Current Affairs hold a crucial place in the preparation for the UPSC Civil Services Examination. A comprehensive understanding of recent national and international developments helps aspirants strengthen their General Studies foundation and develop a well-rounded perspective on important issues. Topics such as government policies, schemes, economy, international relations, science and technology, environment, defence, social justice, governance, reports, indices, appointments, awards, and major global events are highly relevant for both the Prelims and Mains examinations. Regular study of current affairs not only enhances factual knowledge but also improves analytical ability, critical thinking, answer-writing skills, and decision-making aptitude. Since UPSC questions often connect contemporary developments with static subjects, consistent preparation of current affairs enables aspirants to understand issues in depth and present balanced, informed, and relevant answers. It also plays an important role in Essay writing, Ethics, and the Personality Test, giving candidates a strong edge throughout the examination process.

CONTACT US

+91 8434931877 achievers_ias_patna PATLIPUTRA GOLAMBAR

ACHIEVERS IAS ACADEMY (UPSC/BPSC) achieversiaspatna@gmail.com

Achievers IAS Academy www.achieversiaspatna.co.in Achievers IAS Academy, PATNA